

餘年情絲

(增訂本)



楊 劲 松

读《餘年情丝》之后

马年新春读劲松《餘年情丝》诗稿，集中近年所作 191 首，可谓丰收了。我一口气读完，我的心也随之“万马奔腾”起来。所有诗作，皆发自心声，绝非无病呻吟，通集洋溢着高尚的旨趣，羞愧的诗稿，每篇多能令读者深受感染。

劲松，不愧诗人气质！肺肚之“丝”不是做出来的，而是呕心沥血写出来的。因无雕琢；辞欠华丽；字少韵醇，成品就像高原上的柞蚕丝那样朴实。

劲松，更具革命者气质，所言之志而圆而民，且身体力行。少而赴抗日民族大义；壮而行人民解放事业；老而呼中华振兴、世界大同之路。他的革命志趣老而不衰，病而不减；他的“鼓吹”激情仍春蚕吐丝那样，涌流自然。

劲松，尤富精神气质，讲人情、重友谊；

好读书，饱吸中华文化母乳之精华；品文化，满怀“红学”“白诗”之深意。不在于言，故少见著作，唯志于行，于人情世故中见真情。谁曰“革命者无情”？唯脚踏实地的革命者最富人间真情！一读《餘年情丝》，当信此言不诬！

勁松经历颇多坎坷，多情偏招无情恼，情志不舒，病上身来。但他总能以科学的态度、顽强的精神与“消渴”病魔不懈斗争几近30来年，能有今日身心也算同辈中的奇迹。君不见他至今自强不息，勤学勤动，每天练走护脚，风雨无阻。这些令人敬佩的榜样行为，在诗集中也有所反映。

我与勁松，既是同一战壕的战友，也是工人运动的老友。对他的“呐喊”，我怎能不擂鼓助威呢？！我们又都是餘年病友，对他的“鼓吹”成果，又怎么能不雀跃欢呼呢？！

陈英武

2002年2月12日草就。

7月5日略作修改补充。

直抒胸臆、袒露心声 ——读《余年情丝》有感

杨劲松老师大年三十日白天给我送来他的《余年情丝》，要我看一看，有什么不妥之处改一改，因而为其作序。杨老师比我年长二十多岁，是我十分敬重的老同志。他在晚年有感而发，作出这么多诗来，我非常钦佩。但要我为其作序，我深感力不从心。充其量只能谈谈读后感后的感想。

杨老师今年正月初四刚刚进入八十诞辰。《余年情丝》是他晚年（他算余年）的诗作。杨老师是我挂副厅级离休干部。他四十年代初就参加革命，1942年日寇攻占我省腾冲、龙陵等县时，他就在共产党员许清波的影响下，冒着生命危险，组织数十名白族青少年，投入抗日救亡运动。他投身革命60年来，始终以一个共产党员应该具有的理想、信念、和抱负，舍生忘死，勤奋学习，努力工作。五十年代就担任过云南省总工会宣传部长、开远电厂党委书记等职务，为党和国家的事业作了

积极的贡献。

杨老师身患糖尿病 20 多年，病情已相当严重。“血槽斑块眼不明”，视觉极差，腿脚不便，每天要打 2-3 次胰岛素针水。但他以良好的心态和顽强的毅力，一面同病魔作斗争，一面不断关心国家大事，不断学习和写诗。儿女们认为：父亲的这种精神，这种毅力，是一笔富足的精神财富，将永远激励他们奋发前进！

杨劲松老师的《餘年情丝》共收录汇集了 191 首诗。这些诗作大多歌颂伟大的中国共产党、伟大的社会主义祖国、以及毛泽东、邓小平、江泽民等党的三代领导集体。对历史上有过贡献的革命家、史学家、文学家、诗人、民族英雄、革命烈士、普通医务人员表达了深切的感情。对某些反面人物进行了鞭挞。有些诗对新中国建立后的一些重要事件进行了评说，充分表达了作者对这些事件的关注和观点。还有一些诗是反映了其晚年生活的片断，如旅游见闻、养花种草、个人遭罪、家事、世情与疾病抗争等。这些都是直抒胸意、袒露心声，是思想、感情、意志的真实反映。

杨老师在有生之年有这样的“闲情逸致”和雅兴，可以说一大半得益于他的家庭。他的老伴是一名退休教师，曾经担任昆明市某小学的校长。与他相伴几十年，耳濡目染，思想、工作、生活各方面互相关心、互相体贴。他们有一子三女，都是大学以上文化，学有所成。其中一个是北京工作，一个在昆明履职，两个分别在美国和英国。儿女们对父母十分孝敬，父母对儿女的事业倾心支持。和谐、幸福、乐融融的家庭为老人延年天年，与疾病抗争提供了重要的精神条件，使老人得到了最大的心理安慰。诗作的字里行间表达出了这种心境。

读罢《餘年情丝》，以诗见人。浮现在我们面前的似乎不是一个病魔缠身的垂暮老人，而是一个炽热的感情关心国家、热爱生活、坚持学习、憧憬未来、发挥余热的老革命、老领导的形象。让我们共同祝愿杨劲松同志健康长寿！写出更多更好的诗作，永远像一棵挺拔常青的劲松！

张 潮 2002年2月18日

——我为民之鼓与角
我愿为民鼓与吹

——松柏本孤直，难为桃李颜

录以自勉

增订本，此乃习作，请予以指正。

赞 颂 篇

| | |
|-----------------------|----|
| 庆祝建党七十四周年 | 1 |
| 香港回归颂 | 2 |
| 庆祝中华人民共和国建国五十周年 | 3 |
| 庆祝建党八十周年感怀 | 5 |
| 三中全会 | 5 |
| 祖国颂之一 | 6 |
| 祖国颂之二 | 6 |
| 赞叹毛泽东 | 7 |
| 周恩来 | 8 |
| 陈云 | 9 |
| 邓小平 | 9 |
| 三个代表 | 10 |
| 共产党员 | 11 |
| 纪念王复生、王德三烈士昆仲 | 12 |
| 读中共云南地方史受教 | 13 |
| 农业改革 | 13 |
| 庆申奥成功 | 14 |
| 庆祝加入世贸组织 | 14 |

| | |
|-------|----|
| 离休政策 | 14 |
| 中国的希望 | 15 |
| 司马迁 | 16 |
| 四班 | 16 |
| 蔡文姬 | 17 |
| 三曹 | 18 |
| 李白诗 | 18 |
| 杜甫诗 | 19 |
| 王维诗 | 20 |
| 三苏文 | 20 |
| 孟郊诗 | 21 |
| 陆游诗 | 22 |
| 辛弃疾 | 22 |
| 林则徐 | 23 |
| 孙中山 | 23 |
| 蔡松坡 | 24 |
| 宋庆龄 | 24 |
| 郭沫若 | 25 |
| 李自成 | 25 |
| 太平天国 | 26 |

| | |
|-------------|----|
| 慰问 | 26 |
| 敬重 | 27 |
| 找矿 | 27 |
| 抢险 | 28 |
| 水电工徐虎 | 29 |
| 赞张佩莲 | 30 |
| 医院 | 30 |
| 赞徐勉 | 30 |
| 规定害死人 | 31 |
| 杨文清 | 32 |
| 杜明轩 | 32 |
| 张津圻 | 33 |

足 迹 篇

| | |
|-------------|----|
| 支前 | 34 |
| 大学 | 34 |
| 揭露 | 35 |
| 工人识字班 | 35 |
| 罢工 | 36 |

| | |
|--------------|----|
| 赶夜路宿彝家 | 36 |
| 昆明保卫战 | 37 |
| 市人联 | 37 |
| 减工资 | 38 |
| 盘剥 | 39 |
| 解放 | 40 |
| 昆明机床厂 | 40 |
| 调查 | 41 |
| 蹲点 | 41 |
| 建电厂 | 42 |
| 党校 | 42 |
| 扶伤 | 43 |
| 观渔 | 43 |
| 处分 | 44 |
| 撒肥 | 44 |
| 浇烟 | 45 |
| 特权 | 45 |
| 欢送 | 46 |
| 大跃进 | 46 |
| 农村人民公社 | 47 |

| | |
|--------------|----|
| 农村公共食堂 | 47 |
| 揭谎 | 48 |
| 登记 | 49 |
| 狱中 | 50 |
| 卧室 | 50 |
| 死活 | 51 |
| 劳动改造 | 51 |
| 种果树 | 52 |
| 挨打 | 52 |
| 一个农妇 | 53 |
| 判决 | 54 |
| 守果园 | 54 |
| 拾菌子 | 55 |
| 偷看 | 55 |
| 关禁闭 | 56 |
| 搜查 | 56 |
| 苦中取乐 | 57 |
| 狱中读书 | 57 |
| 愚昧 | 58 |
| 文革 | 58 |

| | |
|------|----|
| 锻炼 | 59 |
| 人之初 | 59 |
| 观点 | 60 |
| 人生 | 60 |
| 退休 | 61 |
| 时代潮流 | 61 |

生 活 篇

庐山游

| | |
|------------|----|
| 之一 | 62 |
| 之二 | 62 |
| 之三 | 63 |
| 之四 独登五老峰 | 63 |
| 之五 庐山见 | 64 |
| 之六 庐山虑 | 64 |
| 九江甘棠湖游 | 65 |
| 游南京莫愁湖(对联) | 65 |

无锡游

| | |
|-------|----|
| 之一 太湖 | 66 |
|-------|----|

| | |
|---------------------------|----|
| 之二 无锡稻田 | 66 |
| 之三 无锡善卷洞 | 66 |
| 苏州游 | |
| 之一 | 67 |
| 之二 | 67 |
| 西湖游 | |
| 之一 | 68 |
| 之二 | 69 |
| 之三 | 69 |
| 出游 (1983.9.8—10.18) | 70 |
| 致日本国 | 71 |
| 死不瞑目 | 71 |
| 台湾拒援 | 72 |
| 瞻仰曹雪芹纪念馆 | 72 |
| 游陶然亭 | 73 |
| 老舍茶馆 | 73 |
| 北京行 | 74 |
| 安返 | 74 |
| 喝彩 | 75 |
| 观京剧《野猪林》 | 75 |

| | |
|--------------|----|
| 观田汉改编京剧《西厢记》 | 76 |
| 观滇剧《岳母刺字》 | 76 |
| 观吉剧《包拯赔情》 | 77 |
| 柳如是与钱谦益 | 78 |
| 匆匆人生 | 79 |
| 不能没有狗 | 80 |
| 朝辉与煤烟 | 81 |
| 昆明之友 | 82 |
| 座右铭 | 82 |
| 晚年座右铭 | 83 |
| 友谊颂 | 83 |
| 忆故人 | 84 |
| 失视 | 84 |
| 晚年 | 85 |
| 对联 | 85 |
| 闲适 | 86 |
| 家居 | 86 |
| 小康之后 | 87 |
| 树赞 | 87 |
| 题丹丹所寄照片 | 88 |

目 录

楊勳
校

| | |
|------------|----|
| 花开二度 | 88 |
| 释念 | 89 |
| 祝愿 | 89 |
| 秋中昆明 | 90 |
| 平和 | 90 |
| 秋天 | 91 |
| 生日 | 91 |
| 游大观楼 | 91 |
| 家事 | 92 |
| 乡忆 | |
| 之一 | 93 |
| 之二 | 94 |
| 之三 | 94 |
| 高卧 | 95 |
| 馀年 | 95 |
| 养疴 | 96 |
| 校园 | 96 |
| 何以为家 | 97 |
| 馀年二事 | 98 |
| 静居 | 98 |

| | |
|------------------|-----|
| 八旬大理游 | 99 |
| 喜闻孙女赴澳 | 100 |
| 梦战友 | 100 |
| 西华园游 | 101 |
| 游玉兰园 | 101 |
| 读经 | 102 |
| 改错 | 102 |
| 观唐寅《桐阴清梦图》 | 103 |
| 细菌战 | 104 |
| 抗疫(2003 夏) | 105 |
| 爱竹 | 106 |
| 盼竹 | 106 |
| 老少之间 | 106 |

篇 餘

| | |
|-----------|-----|
| 放电影 | 107 |
| 逼死人 | 108 |
| 林彪 | 109 |
| 江青 | 109 |